राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**prrajbhavan@gmail.com**
मो॰–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

कोई भी देश चरित्रवान और कौशलयुक्त नागरिकों के बल पर ही समृद्ध और सशक्त बनता है–राज्यपाल

पटना, 18 मई 2018

''कोई भी देश चरित्रवान और कौशलयुक्त नागरिकों के बल पर ही सशक्त बनता है। कौशलयुक्त युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं देश में 65 फीसदी आबादी युवाओं की है, जिन्हें अगर हूनरमंद बना दिया जाता है तो भारतवर्ष एक समृद्ध और सशक्त राष्ट्र के रूप में पुनः पूरी दुनियाँ में अपनी पहचान बना लेगा।'' –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक ने स्थानीय होटल मौर्या के सभागार में बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा आयोजित राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, प्रतिकुलपतियों, कुलससचिवों एवं संकायाध्यक्षों की ''व्यावसायिक शिक्षा –चुनौतियाँ एवं रणनीति'' विषयक एकदिवसीय कार्यशाला का उद्‌घाटन करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल श्री मलिक ने कहा कि आज विश्व बाजार में एवं औद्यौगिक क्षेत्र में भी निरंतर रोजगार के अवसर कमते जा रहे हैं, ऐसे में जरूरी है कि युवा अपना कौशल विकसित कर स्वयं रोजगार का सृजन करें। उन्होंने कहा कि आज हमें ऐसे रोजगार–प्रदाता युवाओं की जरूरत है, जो देश की अधिकतर आबादी को विभिन्न प्रकार के रोजगार सुलभ कराने की क्षमता रखते हों।

राज्यपाल ने कहा कि भारत के लोग शुरू से अपनी हूनरमंदी के लिए विख्यात रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज दुबई जिस रूप में विकसित हुआ है, उसमें भारत के सिन्धी लोगों का बहुत बड़ा योगदान है। तकनीकी तौर पर विकसित और समृद्ध देशों के विकास में भी भारतीय युवाओं का बहुत बड़ा योगदान है। श्री मलिक ने इजरायल का दृष्टांत देते हुए कहा कि कौशल–विकास के साथ–साथ, चरित्रबल और नैतिकता भी किसी देश के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

राज्यपाल ने कहा कि आज पारंपरिक शिक्षा के साथ–साथ यह जरूरी है कि आधुनिक समय और समाज की जरूरतों के मद्देनजर विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों को विकसित किया जाये। व्यावसायिक शिक्षा को पाठ्यक्रमों में शामिल करते हुए स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखा जाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा के नाम पर गलत तौर–तरीके अख्तियार करने की भी छूट नहीं दी जा सकती। श्री मलिक ने कहा कि बिहार के विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रमों को रोजगारोन्मुखी बनाने के प्रयास शुरू कर दिये गये हैं और आज आयोजित कार्यशाला में होनेवाले विचार–मंथन से भी निश्चय ही सही दिशा में आगे बढ़ने में हमें सहूलियत होगी।

लगातार पृष्ठ....2 पर

राज्यपाल ने कहा कि पर्यटन एवं कृषि–क्षेत्र बिहार के विकास में बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अतः इन प्रक्षेत्रों में युवाओं का कौशल–विकास बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि कोरिया और अर्द्धविकसित बोत्सवाना जैसे देशों की क्रमशः 96 एवं 22% की तुलना में भारत में मात्र 4 प्रतिशत व्यक्ति ही व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। राज्यपाल ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार ने कौशल–विकास हेतु काफी प्रभावकारी योजनाएँ कार्यान्वित कर रखी हैं, जिनकी ओर युवाओं को उन्मुख करने की जरूरत है। 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' तथा राज्य के 'कौशल युवा कार्यक्रम' आदि के सफल कार्यान्वयन के जरिये कौशल–उन्नयन के प्रयास को तेज किया जा सकता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य के श्रम संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि युवाओं के कौशल–विकास के लिए राज्य सरकार कृत संकल्पित है।

उद्घाटन–सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि कौशल–विकास के महत्त्व को समझने में देश में कुछ देरी जरूर हुई है, परन्तु अब हर स्तर पर तेजी से सार्थक प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गाँधी ने बुनियादी विद्यालयों की जो स्थापना की थी, उनमें प्रारंभिक शिक्षा के स्तर पर ही कौशल–विकास की बात सन्निहित थी।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए हरियाणा विश्वकर्मा स्कील यूनिवर्सिटी के वी॰सी॰ श्री राज नेहरू ने विस्तार से कौशल–विकास के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि औद्योगिक संस्थानों, युवाओं और सरकारी नीतियों–सबका समन्वय बनाकर कौशल–विकास की चुनौतियों का सामना करने के लिए रणनीति तैयार की जा सकती है।

कार्यशाला के विभिन्न तकनीकी सत्रों में भारतीय कौशल विश्वविद्यालय जयपुर के कुलपति ब्रिगेडियर डॉ॰ एस॰एस॰ पावला, गुजरात में टीम लीज के सहयोग से जन–निजी–भागीदारी मॉडल पर चल रहे कौशल विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री के॰ अशोक कुमार, महाराष्ट्र नॉलेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री विवेक सावंत, उद्यमशीलता विकास संस्थान के प्रतिनिधि डॉ॰ चंदन चटर्जी, डॉ॰ अवनी उमत्त, श्री रवीन्द्र कुमार गोसैन, केविन जॉन आदि ने भी व्यावसायिक शिक्षा के प्रशिक्षण, व्यावसायिक शिक्षा की चुनौतियाँ, व्यावसायिक शिक्षा के प्रसार की रणनीति आदि विषयों पर पावर प्रजेन्टेशन के जरिये अपने विचार व्यक्त किये।

उद्घाटन सत्र में स्वागत–भाषण श्रम संसाधन विभाग के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद–ज्ञापन शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव श्री आर॰ के॰ महाजन ने किया। कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

.....